हे नाथ क्या ये विनती स्वीकार अब न होगी लिरिक्स

हे नाथ क्या ये विनती,
स्वीकार अब न होगी,
आश्रित पे अनुग्रह की,
भरमार अब न होगी।bd।

पतितों के तारने के,
किस्से पड़े पुराने,
क्या एक नई कहानी,
तैयार अब न होगी,
हे नाथ क्या यें विनती,
स्वीकार अब न होगी।bd।

गर है स्वभाव बदला,
तो साफ साफ कह दो,
हुई बार बार करूणा,
इस बार अब न होगी,
हे नाथ क्या यें विनती,
स्वीकार अब न होगी।bd।

रहते थे जिसके बस में,
जो आपको था प्यारा,
उस प्रेम की भी शायद,
दरकार अब न होगी,
हे नाथ क्या यें विनती,
स्वीकार अब न होगी।bd।

दुख दूर कर दो ताकि,
'राजेश' भी ये बोले,
एहसान मानता हूँ,
तकरार अब न होगी,
हे नाथ क्या यें विनती,
स्वीकार अब न होगी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हे नाथ क्या ये विनती,
स्वीकार अब न होगी,
आश्रित पे अनुग्रह की,
भरमार अब न होगी।bd।

स्वर – श्री राजेश्वरानन्द जी महाराज।
प्रेषक – दुर्गा प्रसाद जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com